चाँद से प्यारा मेरा साजना | By Varsha Shrivatava

चाँद जैसे चौथ का मेरा बालमा
चाँद से भी है प्यारा मेरा साजना

मैंने उपवास रखा पिया के लिए
जो जिया है मेरा उस जिया के लिए
मेरा सिन्दूर ये मुस्कुराता रहे
बुझ भी जाऊं मैं ये जगमगाता रहे
चाँद जैसे चौथ का.....

चूड़ियां मेरी खन खन खनकती रहे
तेरे होंठों से खुशियां बिखरती रहे
अपनी किस्मत पे मैं इतराती रहूं
प्यार से मैं पिया के संवरती रहूं
चाँद जैसे चौथ का.....

जब तलक अपने साजन के आँगन रहूं
आखिरी सांस तक मैं सुहागन रहूं
मुस्कुराती रहे मांग मेरी सदा
जाऊं साजन के कांधो पे होके विदा
चाँद जैसे चौथ का.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%a6-%e0%a4%b8%e0%a5%87-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-v/